भारतीय रिज़र्व बैंक मौद्रिक नीति - रिपो रेट 6.50% पर अपरिवर्तित रहा!

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार, 5 दिसंबर 2018 को चालू वित्त वर्ष की अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा आयोजित की। मौद्रिक नीति समिति की बैठकें प्रत्येक वर्ष 4 बार आयोजित की जाती हैं और प्रत्येक बैठक के बाद निर्णय प्रकाशित होते हैं। एमपीसी के 6 सदस्य हैं, जिनमें से तीन भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारी हैं और तीन बाहरी सदस्यों को भारत सरकार द्वारा नामांकित किया गया है। उनके कार्य मौद्रिक नीति तैयार करने के आसपास घूमते हैं जिसके लिए रिज़र्व बैंक की मौद्रिक नीति विभाग (एमपीडी) एमपीसी सदस्यों की सहायता करता है। पिछली एमपीसी बैठक में, रेपो दर, सौम्य मुद्रास्फीति और निवेश गतिविधि सहित तीन मुख्य विषयों को संबोधित किया जाना चाहिए। वर्तमान मौद्रिक नीति के साथ ही बैठक के बारे में महत्वपूर्ण हाइलाइट जानने के लिए लेख को अंत तक पढ़ें। इसके अलावा यह आलेख आपको IBPS RRB, IBPS PO, IBPS Clerk, SEBI, Railways RRB Group D जैसी आगामी परीक्षाओं के लिए बैंकिंग अवेर्नेस तैयार करने में भी मदद करेगा।

testbook.com

मौद्रिक नीति बैठक हाइलाइट्स:

- जून से लगातार दो बार बढ़ने के बाद, मौद्रिक नीति समीक्षा (एमपीआर) के सभी 6 सदस्यों ने बैंकों के लिए उधार दर को बनाए रखने के पक्ष में वोट दिया। इस प्रकार रेपो दर 6.5% पर अपरिवर्तित थी।
- रिवर्स रेपो दर 6.25 प्रतिशत, बैंक दर 6.75 प्रतिशत पर है और नकद आरक्षित अनुपात 4 प्रतिशत है।
- पॉलिसी रुख को "कैलिब्रेटेड कसने" के रूप में रखने के लिए एमपीआर सदस्यों का वोट अनुपात इसके पक्ष में 5: 1 हो गया, जो अंत में अपरिवर्तित हो गया।
- अक्टूबर-मार्च 2018-2019 के लिए मुद्रास्फीति प्रक्षेपण 3.9-4.5% से 2.7-3.2% तक कम हो गया था।
- जीडीपी विकास अनुमान चालू वित्त वर्ष के लिए 7.4% पर रखा गया है।
- विकास संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की उम्मीद है।
- एमपीसी की अगली बैठक 5-7 फरवरी को निर्धारित है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति क्या है?

मौद्रिक नीति मूल रूप से देश के केंद्रीय बैंक यानि कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रबंधित की जाती है। इसे 'क्रेडिट पॉलिसी' भी कहा जाता है। यह अर्थव्यवस्था में धन की आपूर्ति और क्रेडिट की मात्रा को नियंत्रित करता है। क्रेडिट नीति के माध्यम से आरबीआई अर्थव्यवस्था में मूल्य स्थिरता का प्रबंधन करने के लिए बैंक दरों, एमएसएफ, रेपो दर, रिवर्स रेपो दर और सांविधिक तरलता अनुपात (Statutory Liquidity Ratio) जैसी दरों को नियंत्रित करता है। नए मान इस प्रकार हैं:

- **रेपो दर - 6.50%**
- **रिवर्स रेपो दर - 6.25%**
- **मामूली स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर - 6.75%**

रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, नकद आरक्षित अनुपात और सांविधिक तरलता अनुपात के बारे में विस्तार से जानने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर जायें:

Learn Repo Rate, Reverse Repo Rate & Other Important Terms

testbook.com

आरबीआई मौद्रिक नीति के मुख्य उद्देश्य

मौद्रिक नीति के मुख्य उद्देश्य हैं:

- मूल्य स्थिरता (Price stability)
- विनिमय दर स्थिरता (Exchange Rate Stability)
- मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (Infaltion targetting)
- आर्थिक विकास (Economic Growth)

आरबीआई मौद्रिक नीति - ताजा ख़बरें

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की हाल की बैठक में रिपो रेट को नहीं बदला गया है। हालांकि अधिकांश विश्लेषण और बैंक अधिकारी मान रहे थे कि RBI केंद्रीय बैंक नीतिगत दरों में कम से कम 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है। RBI की Monetary Policy Committee (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक के बाद कहा गया कि 'समिति मजबूती से मुख्य

या खुदरा मुद्रास्फीति के मध्यम अवधि लक्ष्य को चार प्रतिशत के दायरे में रखने की प्रतिबद्धता दोहराती है.' जिसके बाद फैसला लिया गया कि रिजर्व बैंक की रेपो दर 6.5 प्रतिशत और रिवर्स रेपो दर 6.25 प्रतिशत बरकरार रहेगी। इसी बीच समिति के पाँच सदस्यों ने दर को अपरिवर्तित रखने के पक्ष में मत दिया तो वही सिर्फ चेतन घटे ने अकेले कहा कि इस दर को 0.25 प्रतिशत वृद्धि पर रोका जाये। RBI के गवर्नर उर्जित पटेल की अध्यक्षता वाली समिति ने यह भी कहा कि सरकार ने हाल ही में पेट्रोल और डीजल के उत्पाद शुल्क में कटौती की है जो कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित में रखने में मददगार साबित होगी। साथ ही आरबीआई ने कहा कि मार्च 2019 की तिमाही तक खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर 4.5 प्रतिशत पर पहुँच सकती है। RBI के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 में वृद्धि 7.6 प्रतिशत पर भी पहुँच सकती है। रिजर्व बैंक ने साढ़े चार साल के अंतराल के बाद पहली बार जून में हुई दूसरे द्वैमासिक समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर में वृद्धि की थी। जिसके बाद RBI ने भी इसी साल अगस्त की नीतिगत बैठक में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की थी। इस साल लगातार दो बार 0.25 प्रतिशत की वृद्धि के बाद इस समय रेपो दर 6.50 प्रतिशत पर है। एमपीसी की अगली बैठक 3 से 5 दिसंबर 2018 के बीच निर्धारित की गयी है। आप अन्य सभी आरबीआई अपडेट प्राप्त करने के लिए **RBI Official Website** पर भी जा सकते हैं।

आरबीआई मौद्रिक नीति के अपडेट के प्रभावों के बारे में अधिक जानने के लिए और रेपो दर की खबरों पर अपने विचार साझा करने के लिए नीचे कमेंट बॉक्स में आयें। आप बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित अन्य जानकारी जानने के लिए निम्न लिंक भी देख सकते हैं।

testbook.com

साप्ताहिक सामान्य ज्ञान बैंकिंग कैप्सूल

बैंकिंग और व्यापार में भारतीय महिलायें

इस लेख के अतिरिक्त अन्य करंट अफेयर्स के बारे में चर्चा करने के लिए हमारे टेस्टबुक कमेंट बॉक्स में जायें और हमारे साथ जुड़ें:

मुफ्त में अभ्यास करें

आप टेस्टबुक चर्चा पर अपने संदेहों को हल कर सकते हैं और हमारे विशेषज्ञों से चैट कर सकते हैं।

टेस्टबुक डिस्कशन से जुड़ें

testbook.com